नेपाल से चावल

3775. श्री रामावतार शास्त्री :
श्री क० मि० मधुकर :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार को चावल देने के लिये सरकार नेपाल सरकार के साथ चावल की सप्लाई के बारे में इस समय बातचीत कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो कितना चावल आयात किये जाने की सम्भावना है, इसके बिहार सरकार को कब तक सप्लाई किये जाने की सम्भावना है और उसका फुटकर मूल्य क्या होगा ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) चावल बेचने के संबंध में नेपाल सरकार का भारत सरकार को भेजा गया एक प्रस्ताव विचाराधीन है । प्रस्ताव विशिष्टतः बिहार को चावल सप्लाई करने के बारे में नहीं है ।

(ख) बातचीत समाप्त होने पर ही इस संबंध में सूचना उपलब्ध होगी ।

RE: CALLING ATTENTION NOTICE (Query)

श्री गुणानन्द ठाकुर (सहरसा) : अध्यक्ष महोदय, बिहार के सात सदस्यों ने एक ध्यानाकर्षण-प्रस्ताव दिया है, जिसमें . . .

श्री कामेश्वर सिंह (खगरिया) : अध्यक्ष महोदय . . . .

Shri J. H. Patel (Shimoga): On a point of order: I would like to draw your attention to rule 197 where it is clearly stated that any matter of urgent public importance may be brought to the notice of the concerned Minister . . . ?

Mr. Speaker: With the permission of the Speaker. Kindly read it in full. You cannot raise anything.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (हापुड़): अध्यक्ष महोदय, प्रश्न संख्या 756 को ले लिया जाये ।

Mr. Speaker: I have no objection. But if I do it once, there may be others who might want it to be extended.

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : अगर मिनिस्टर साहब उस का जवाब देने के लिए तैयार हों, तो उस को ले लिया जाये ।

Mr. Speaker: Even then, this is what will happen.

Shri J. H. Patel: Let me complete my point of order.

श्री गुणानन्द ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, हम लोगों ने एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया है ।

श्री कामेश्वर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि . . .

Mr. Speaker: He need not try to support everybody.

Shri J. H. Patel: My point of order is not on that.

Mr. Speaker: He cannot raise any question without giving advance notice.

Shri J. H. Patel: **

Mr. Speaker: This will not be recorded. And point raised without permission shall not be entered in the record. Otherwise there will be no discipline. There is a procedure. We have framed some rules ourselves. He must follow the procedure and not simply get up and say anything.

** Not recorded.